केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण - १

रविवार, १० जुलाई, २०११ | समय : सुबह ९.०० से १२.००

कुल गुण : १००

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

	दिनांक	महिना	वर्ष
परीक्षार्थी का जन्म दिन	☐☐	☐☐	☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (६)	
	२ (५)	
	३ (४)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (८)	
	१२ (५)	
	१३ (८)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	
विभाग-३, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. **आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।

३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।

४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

५. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → | गुण : १ | | ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

९. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

१०. **परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्युट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नही होंगे ।**

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID.**
6. Marks for Question → | 1 Mark | | ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए ।
(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है ।) (कुल गुण : ६)

१. भगवान अक्षरधाम में और पृथ्वी के उपर साकार । २. सबसे परे अक्षरधाम और अक्षरधामाधिपति श्रीहरि सर्वोपरि ।
३. गुणातीत संत की महिमा - परमहंसों के पदों में । ४. गुणातीत संत की महिमा - श्रीजीमहाराज के शब्दों में ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१		प्र-२	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ३ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (कुल गुण : ५)

१. 'किन्तु, जो जीव इन भगवान को निराकार समझकर ध्यान – उपासना करते हैं वे तो ब्रह्म सुषुप्ति में विलीन हो जाते हैं ।' गुण : १ [ ]

.....

२. 'आत्यांतिक ज्ञान तो इस साधु की महिमापूर्ण पहचान हुई वही है ।' गुण : १ [ ]

.....

३. 'वरसो वरस एक मास रे, करवो आ मंदिर मांही वास रे ।' गुण : १ [ ]

.....

४. 'भगवान के आकार का कभी भी खंडन नहीं करना चाहिए ।' गुण : १ [ ]

.....

५. 'उसी तरह भगवान की मूर्ति की उपासना किए बिना आत्मा और ब्रह्म दृष्टिगोचर हो ही नहीं सकते ।' गुण : १ [ ]

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. श्रीजीमहाराज सर्वोपरी – अन्य परमहंसों के अनुसार गुण : २ [ ]

(१) [ ] धामी जे अक्षरधामना रे, तेणे आप्यो छे आनंद ।

(२) [ ] तमने जे मली छे मूरति, तेने निगम कहे नेति नेति ।

(३) [ ] धामी जे गोलोकना रे, तेणे आप्यो छे आनंद ।

(४) [ ] तमने जे मली छे मूरति, तेने निगम कहे रति रति ।

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४	

२. प्रकट को जाने बिना कसर

गुण : २	

(१) ☐ परोक्षथी भव तणो पार आवे नहि, भागवत कहे सत्य वाणी ।

(२) ☐ परोक्षथी भव तणो पार आवे नहि, वेद वेदांत कहे सत्य वाणी ।

(३) ☐ 'वांची कागल कोई कंथनो, जेम नार अपार राजी थई; पण प्रगट सुख पियुतणुं, अणु जेटलुं आव्युं नहीं ।'

(४) ☐ परोक्षथी भव तणो पार आवे नहि, वचनामृत कहे सत्य वाणी ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । (कुल गुण : ४)

१. 'स्वामी ! क्या आप स्वयं अक्षर हैं ?'

२. श्रीजीमहाराज के कंधों पर भारी बोझ लगा और वो पसीना-पसीना हो गये ।

३. दादाखाचर के मकान के छत की खपरैलों का ध्यान करो ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिद्धांत : .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. 'भगवान सर्वोपरि है', यह निष्ठा आवश्यक हैं ।

२. माया के बंधन से छूटकर अंत में मुक्ति पाने के लिए दिव्यभाव रखना आवश्यक है ।

३. श्रीजीमहाराज सर्वोपरि – गुणातीतानन्द स्वामी के अनुसार ।

४. 'स्वामी अक्षर हैं' – उनके जीवन और कार्य के आधार पर ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

( ) .....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. शीतलदास के अनंत स्वरूप हुए ।

२. रामानंद स्वामी ने लालजी भक्त को उलाहना दी ।

३. शास्त्रीजी महाराज कहा करते, ''हम तो अक्षर पुरुषोत्तम के बैल हैं ।''

४. मूर्ति, शास्त्र और तीर्थ नहीं, परंतु संत है वे ही प्रत्यक्ष भगवान हैं ।

( ) .....

.....

.....

.....

गुण : ४

( )

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ७ उपासना में क्या समझना चाहिए ? और क्या नहीं समझना चाहिए ? उसके आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ७)

(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. श्रीजीमहाराज पूर्ण पुरुषोत्तम .....

.....

.....

.....

..... दिव्य हैं । गुण : १

२. धाम में जो परब्रह्म का .....

.....

.....

.....

.....

..... ये श्रीजीमहाराज हैं । गुण : १

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-७	

३. हमारी उपासना .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... चरण की हीं है । गुण : १

४. सगुण और .....

.....

.....

..... सूक्ष्म है । गुण : १

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. अकेले अक्षरब्रह्म .....

.....

..... नहीं समझना चाहिए । गुण : १

६. सद्‌गुरु गुणातीतानंद .....

.....

..... नहीं समझना चाहिए । गुण : १

७. प्रकट ब्रह्मस्वरूप .....

.....

..... नहीं समझना चाहिए । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ टिप्पणी लिखिए । अनन्य निष्ठा सहित सभी अवतारों का आदर । **(कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''हमारे सर्वोपरि स्वरूप के ज्ञान का प्रसार करो ! अन्यथा मैं तुम्हें इसी देह में सौ साल या हज़ार साल रखूँगा ।'' **अथवा**

२. ''यह क्या चरित्र किया ?''

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३ [ ]

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-९	

३. ''तुम अपनी विद्या में निपुण हो या नहीं ?'' **अथवा**

४. ''यह कथा जितने दिन चलेगी, गुणातीतानन्द स्वामी ही बातें करेंगे ।''

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

५. ''आई हेव गांड । मेरे पास धन नहीं ।'' **अथवा**

६. ''बुखार आ गया ?''

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. निष्कुलानंद स्वामी ने संत हरिभक्तों को प्रार्थना करने से रोका । **अथवा**

२. शिवलाल सेठ की साली को बुरा लगा ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

३. २०० वर्ष पूरानी शत्रुता का शमन हुआ । **अथवा**

४. नरेन्द्रप्रसाद स्वामी दिग्मूढ़ हो गए ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. रघुवीरजी महाराज को संत की महिमा और संतों की उनके द्वारा की गई सेवा । **अथवा**

२. पर्वतभाई की संतों के प्रति आत्मबुद्धि ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. मैं भी तो हरि का ही जन हूँ । **अथवा** ४. प्रार्थना में प्रमुखस्वामी महाराज की श्रद्धा ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. गोपालानन्द स्वामी ने हनुमानजी की मूर्ति की प्रतिष्ठा कहाँ की ? गुण : १

.....

.....

२. रघुवीरजी महाराज के धर्मपत्नी का नाम क्या था ? गुण : १

.....

.....

३. परमचैतन्यानंद स्वामी को धरमपुर से परत बुलाने के लिए किस समर्थ संत २५ साधुओं के साथ गए ? गुण : १

.....

.....

४. नारायणस्वरूपदासजी कौन-सी साल में संस्था के प्रमुख पद पर नियुक्त हुए ? गुण : १

.....

.....

५. प्रमुखस्वामी महाराज भविष्य के बारे में क्या कहते हैं ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१३	

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. कुशलकुंवरबा ने खूब प्रेमभाव से — गुण : २

(१) ☐ चावल के अक्षुण्ण दाने तैयार किए । (२) ☐ निमंत्रणपत्र भेजा ।

(३) ☐ चार रसोईये का प्रतिबंध किया । (४) ☐ गढ़डा हाथी को भेंट के रूप में भेजा ।

२. क्षमावान रघुवीरजी महाराज — गुण : २

(१) ☐ आप रघुवीरजी महाराज से कहो, वे उनको समाधि से जगायेंगे ।

(२) ☐ हमें उनसे वेर वसूल नहीं करना है. महाराज जो कुछ करेंगे अच्छा ही करेंगे ।

(३) ☐ गोसांई को सजा से बचा लिया । — गुण : २

(४) ☐ महंत को सजा से बचा लिया ।

३. प्रमुखस्वामीजी में एक महान विभूतिपुरुष का आकलन हुआ हो ऐसे इत्यादि विश्व के विद्वान

(१) ☐ प्रिन्स चार्ल्स (२) ☐ प्रिन्स फीलीप्स

(३) ☐ टोनी ब्लेयर (४) ☐ डेविड ब्लेयर

४. स्वामीश्री के रोम रोम में सेवा का अनन्य उत्साह । — गुण : २

(१) ☐ हरिभक्तों के शौचालयों की सफाई की । (२) ☐ हरिभक्तों के रसोईघर की सफाई की ।

(३) ☐ लोगों ने फेंकी हुई गन्दी कटोरियों को उठाया । (४) ☐ लोगों ने फेंकी हुई गन्दी दातूनों को उठाया ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १५)

१. आदिवासी ईलाके में बी.ए.पी.एस. सत्संग का उज़ाला ।

२. निरंतर दूसरों का अच्छा करने के लिए देह का दमन करते प्रमुखस्वामी महाराज ।

३. पारिवारिक प्रश्नों का समझोता - समझ ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें